

दोहा : दरबार तेरा दरबारों में, एक खास एहमियत रखता है उसको वैसा मिल जाता है, जो जैसी नियत रखता है **Bhajans Bhakti Songs**

दोहा : दरबार तेरा दरबारों में, एक खास एहमियत रखता है ।
उसको वैसा मिल जाता है, जो जैसी नियत रखता है ॥

बड़ा प्यारा सजा है द्वार भवानी ।
भक्तों की लगी है कतार भवानी ॥

ऊँचे पर्वत भवन निराला ।
आ के शीश निवावे संसार, भवानी ॥
प्यारा सजा है द्वार भवानी ॥

जगमग जगमग ज्योत जगे है ।
तेरे चरणों में गंगा की धार, भवानी ॥
तेरे भक्तों की लगी है कतार, भवानी ॥

लाल चुनरिया लाल लाल चूड़ा ।
गले लाल फूलों के सोहे हार, भवानी ॥

प्यारा सजा है द्वार, भवानी ॥

सावन महीना मैया झूला झूले ।
देखो रूप कंजको का धार भवानी ॥
प्यारा सजा है द्वार भवानी ॥

पल में भरती झोली खाली ।
तेरे खुले दया के भण्डार, भवानी ॥
तेरे भक्तों की लगी है कतार, भवानी ॥

लक्खा को है तेरा सहारा माँ ।
करदे अपने सरल का बेडा पार, भवानी ॥

Source: <https://www.bharattemples.com/darabaar-tera-darabaaron-mein/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhKzSUD-Lt9Tw>